POEM Covid -19

किसने सोचा था कि यूं

थम जाएगी दुनिया सारी

किसने सोचा था कि यूं

थम जाएगी जिंदगी हमारी

सराय भरी रहती थी

जो मुसाफिरों से

हो जाएंगी यूं खाली खाली

बसें जो ले जाया करती थी

मुसाफिरों को उनकी मंजिलों तक

रह जाएंगी सड़क किनारे

खड़ी की खड़ी

पड़ जाएंगे ताले

बड़ी-बड़ी इमारतों में

रुक जाएंगी मशीनें

कारखानों में

थम सा जाएगा जीवन

यह सोचा भी ना था

किसी ने सपने में

कोरोना के डर से

जब सब बैठे थे घर के भीतर

तब लड़ रहे थे

चिकित्सक निडर होकर

भरते अस्पताल

मन में भय पैदा करते थे

तब थामा हाथ चिकित्सक ने

खुद आगे होकर

खाली होते गोदामों को

किसान भरते जाते थे

कमी किसी को आ ना पाए

हर घर अन्न पहुंचाते थे

हैं निडर खड़े

लड़ते इस महामारी से

पुलिसकर्मी कैडेट और रेंज रोवर

सब साथ खड़े रहेंगे

लड़ते रहेंगे अंत तक

होकर निडर

करते हैं शपथ

लड़ते रहेंगे अंत तक

Cdt Rahul Thakur

Pgc solan